RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

संसाधन एवं विकास

Resources and Development

अध्याय-1 | भाग-7

एकदम BASIC से!

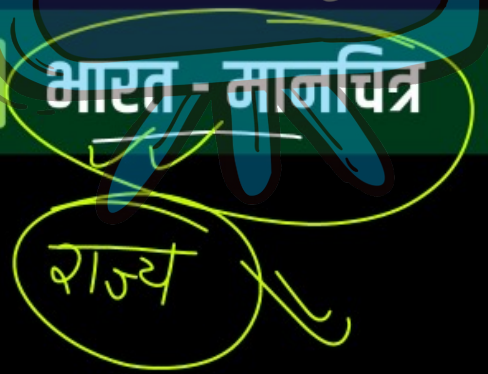


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. मृदाओं का वर्गीकरण
2. मृदा अपरदन और संरक्षण
3. भारत - मानचित्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

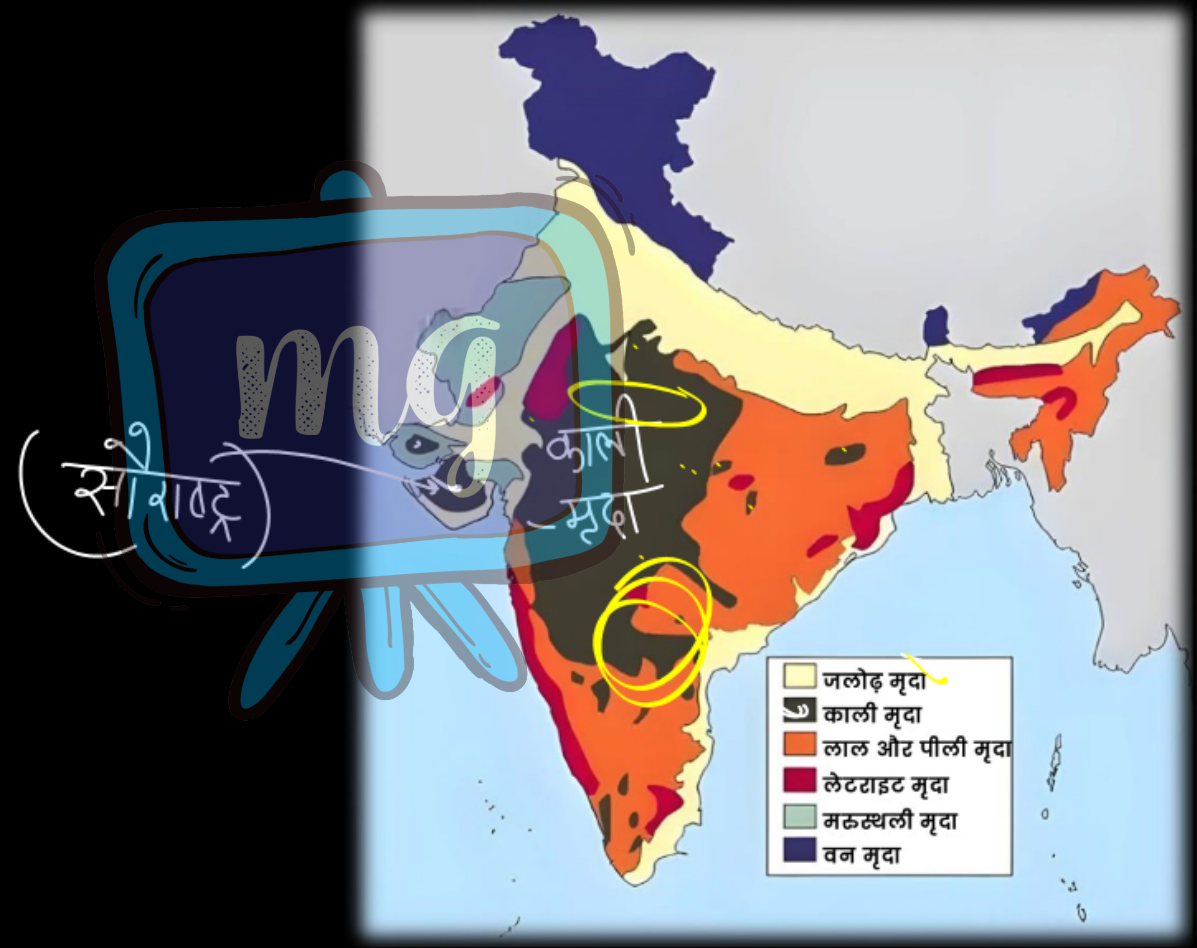


2 काली मृदा ('रेगुर' मृदा)

- रंग - काला
- कपास की खेती के लिए उचित → "काली कपास मृदा"
- दक्कन का पठार (बेसाल्ट क्षेत्र) के उत्तर-पश्चिमी भागों में पाई जाती हैं।
- (लावा-जनक शैलों से बनी है)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गुजरात

- महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ का पठार।
- दक्षिण-पूर्वी दिशा में गोदावरी और कृष्णा नदियों की घाटियों तक फैली।
- नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है।
- कैल्शियम कार्बोनेट, मैगनीशियम, पोटाश और चूने जैसे पौष्टिक तत्त्वों से परिपूर्ण (फास्फोरस की मात्रा कम)

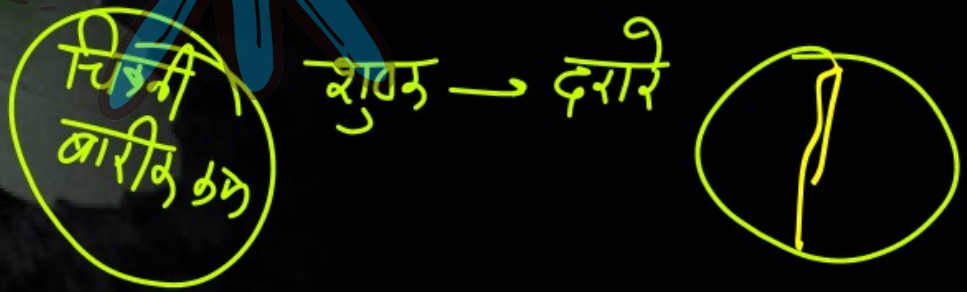
ह्यूमस की कमी

कार्बनिक पदार्थ

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- गर्म और शुष्क मौसम में गहरी दरारें → अच्छी तरह वायु मिश्रण → "स्वतः जुताई वाली मृदा"
- गीली होने पर चिपचिपी → जोतना मुश्किल
- इसलिए, मानसून प्रारंभ होने की पहली बौछार से ही जुताई शुरू



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 लाल और पीली मृदा

- लाल रंग का कारण : रवेदार आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों में लौह धातु के प्रसार
- पीला रंग का कारण : जलयोजन
- लाल मृदा, दक्कन पठार के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों के कम वर्षा वाले भाग में रवेदार आग्नेय चट्टानों पर विकसित हुई है।
- ओड़िशा, छत्तीसगढ़, मध्य गंगा मैदान के दक्षिणी छोर पर, पश्चिमी घाट में पहाड़ी पर।

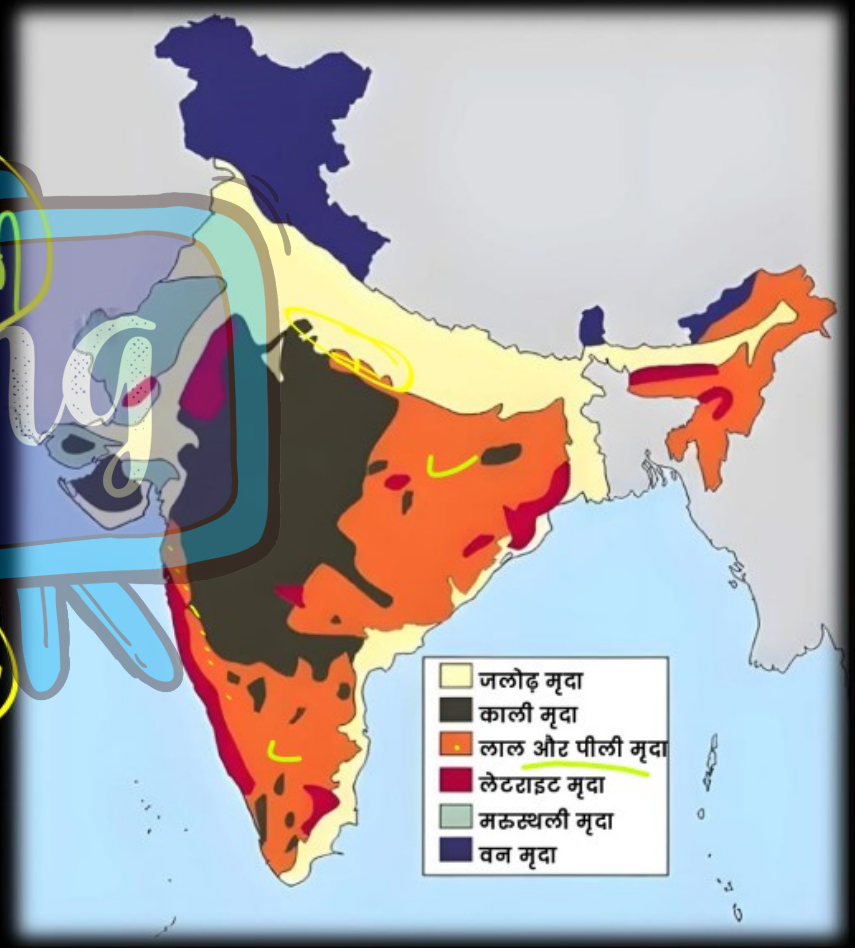
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

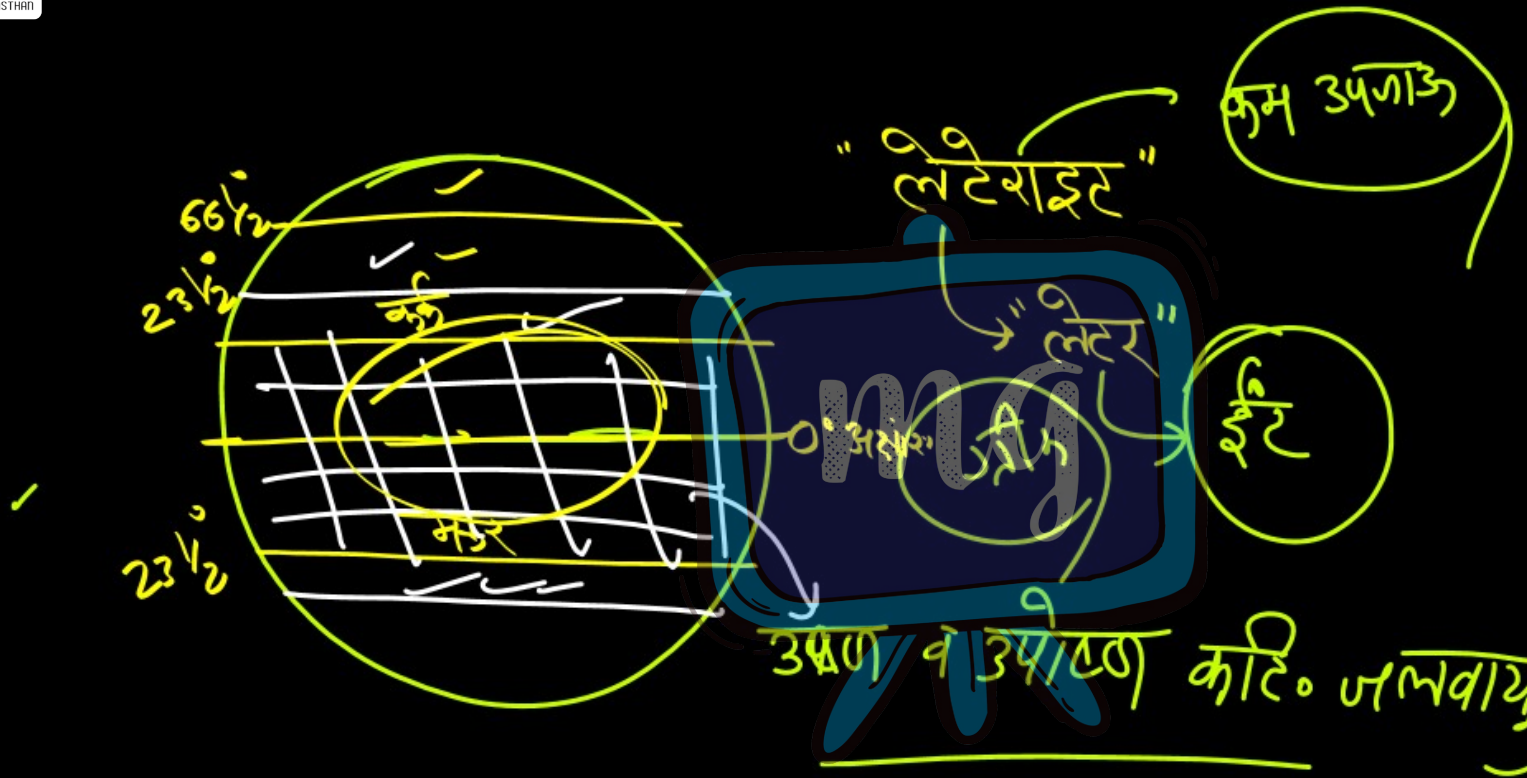
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्य गंगा के मैदानी क्षेत्र का दोआबी छोर।

पर्वत

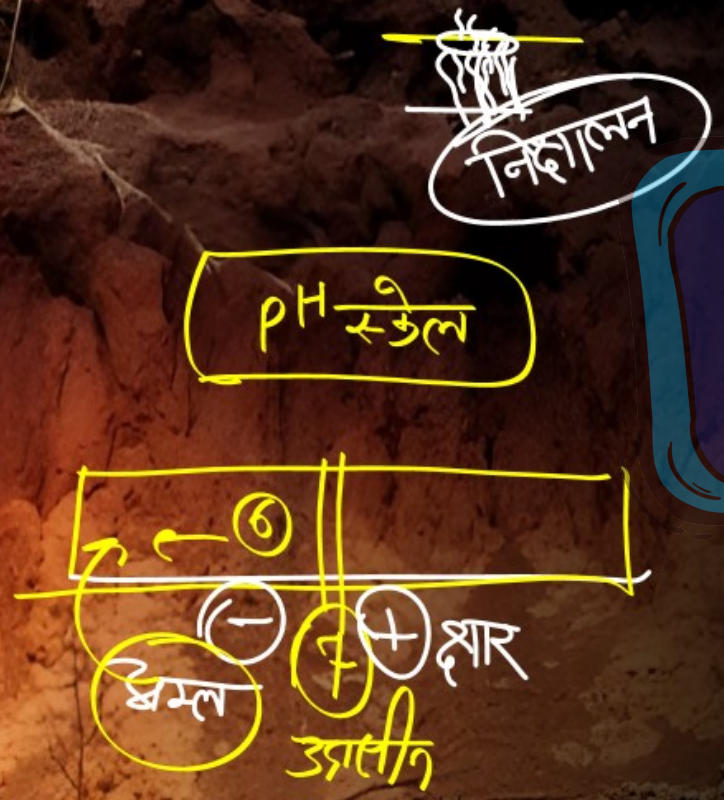
पर्वतपदीय क्षेत्र




"लैटेराइट"
कम उपजाऊ
66½°
23½°
कर्क
मकर
23½°
0° अक्षांश
"लेटर"
ईंट
उपज व उपोत्पाद कटि॰ जलवायु

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 लेटराइट मृदा

लेटराइट शब्द : ग्रीक भाषा के शब्द "लेटर (Later)" से लिया गया है (अर्थ : ईंट)

निर्माण : उष्ण कटिबंधीय तथा उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में (आर्द्र तथा शुष्क ऋतुओं के एक के बाद एक आने के कारण)

- (भारी वर्षा → अत्यधिक निक्षालन (leaching)
- अधिकतर गहरी तथा अम्लीय (pH<6.0 होती है।
- सामान्यतः पौधों के पोषक तत्वों की कमी होती है।

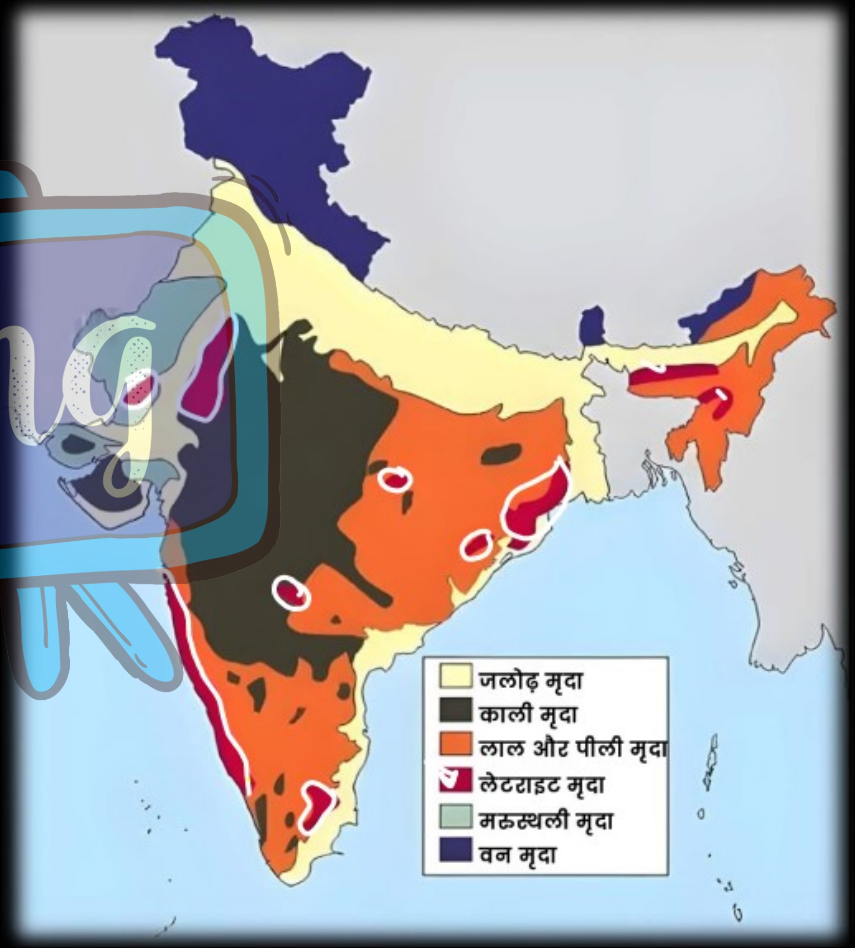
केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु

सैरधान

लैटराइट मृदा

चाय

कॉफी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पर्वतीय क्षेत्र

- अधिकतर दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र के पश्चिमी-घाट क्षेत्रों, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के कुछ भागों तथा उत्तर-पूर्वी प्रदेशों में पाई जाती है।
- जहाँ पर्णपाती और सदाबहार वन मिलते हैं, वहाँ इसमें ह्यूमस पर्याप्त रूप में लेकिन, विरल वनस्पति और अर्ध शुष्क पर्यावरण में इसमें ह्यूमस की मात्रा कम मृदा-संरक्षण की उचित तकनीक अपना कर इन मृदा पर कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु में चाय और कॉफी उगाई जाती हैं।

- आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु की लाल-लेटराइट मृदा काजू की फसल के लिए अधिक उपयुक्त हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 मरुस्थली मृदा

- रंग : लाल और भूरा
- आम तौर पर रेतीली और लवणीय
- कुछ क्षेत्रों में नमक की मात्रा इतनी अधिक है कि झीलों से जल वाष्पीकृत करके खाने का नमक भी बनाया जाता है।
- शुष्क जलवायु और उच्च तापमान के कारण जलवाष्पन दर अधिक है और मृदाओं में ह्यूमस और नमी की मात्रा कम होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मृदा की सतह के नीचे कैल्शियम की मात्रा बढ़ती चली जाती है और नीचे की परतों में चूने के कंकर की सतह पाई जाती है।
- इस कारण मृदा में जल अंतः स्यंदन (Infiltration) अवरुद्ध हो जाता है।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

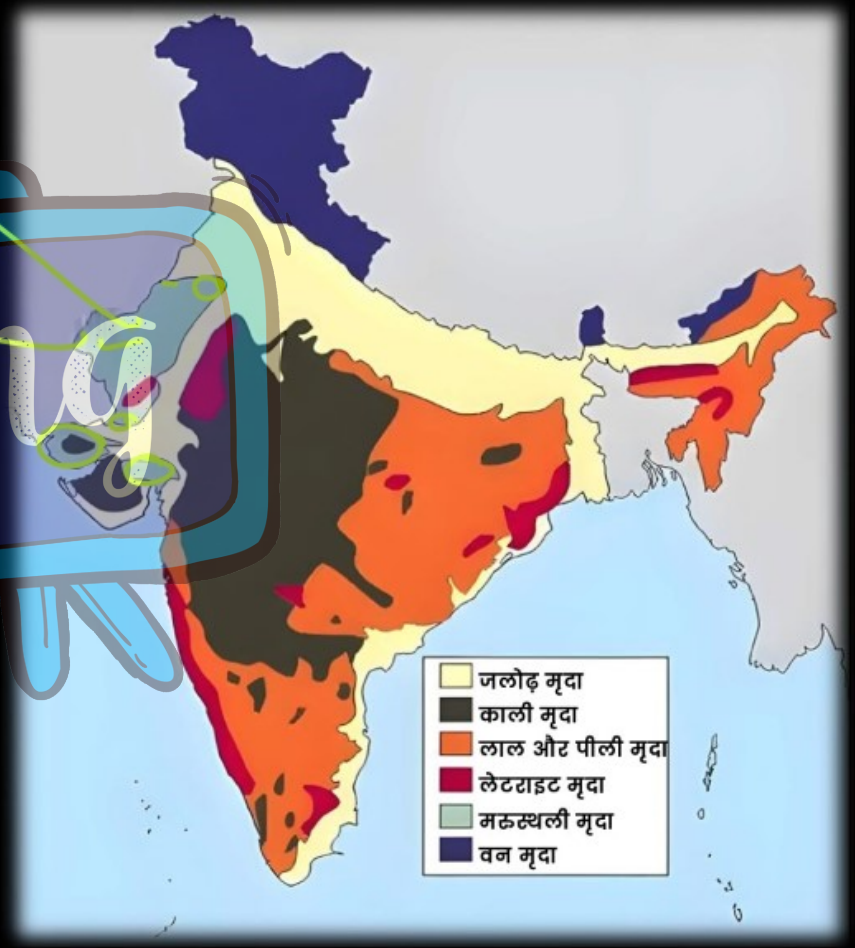
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

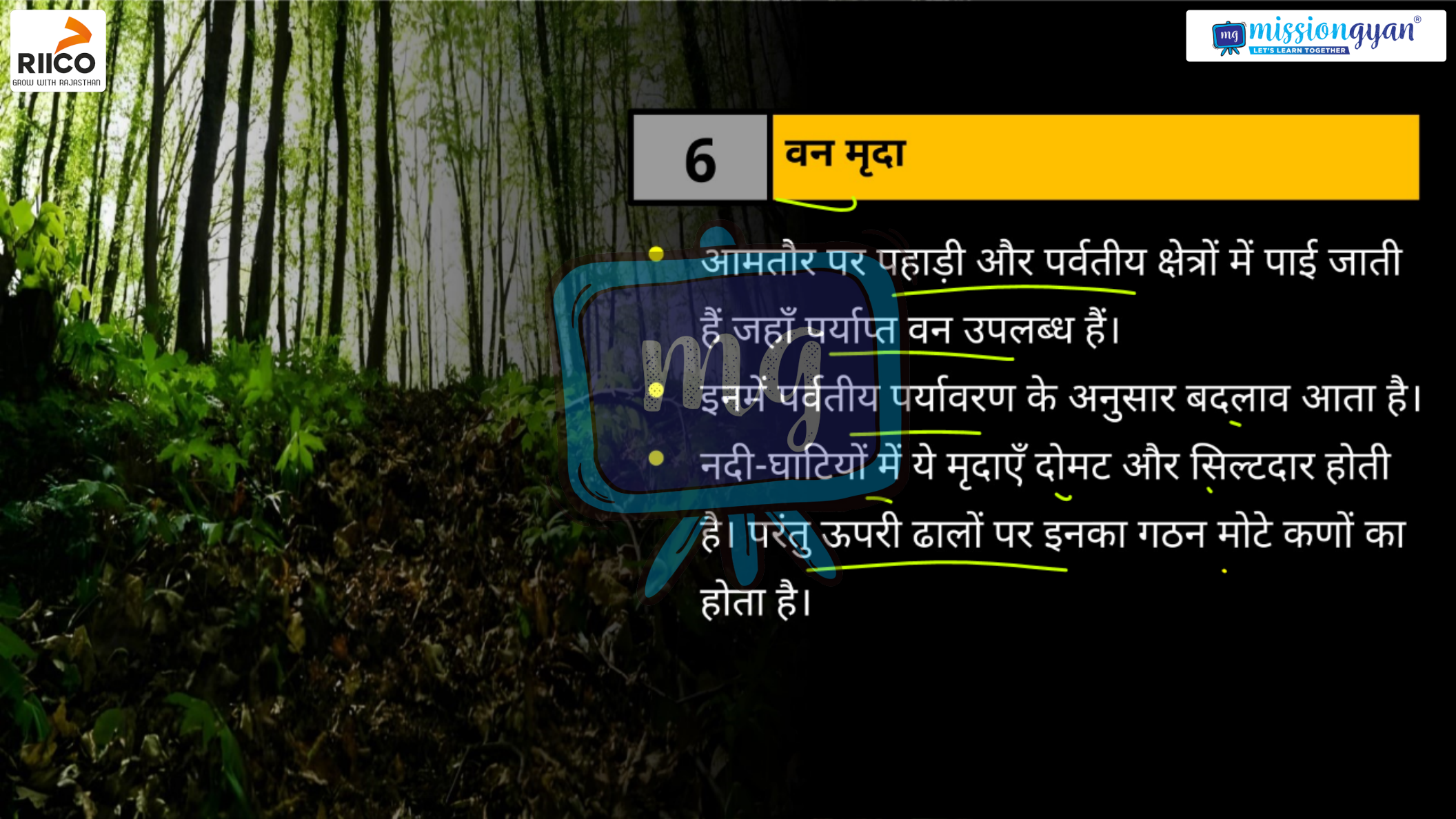
IGNP

फॉस्फोरस

प्रचुर

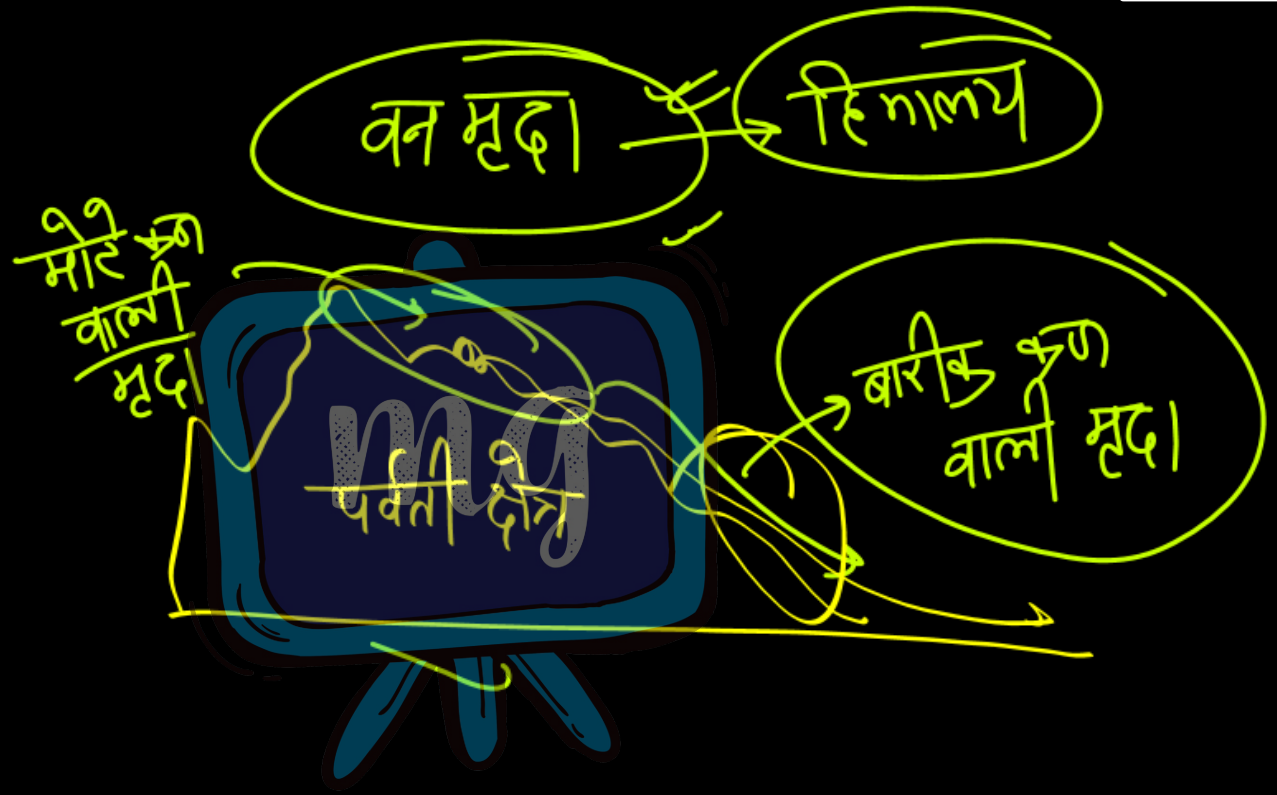
जल सिंचाई





6 वन मृदा

- आमतौर पर पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं जहाँ पर्याप्त वन उपलब्ध हैं।
- इनमें पर्वतीय पर्यावरण के अनुसार बदलाव आता है।
- नदी-घाटियों में ये मृदाएँ दोमट और सिल्टदार होती है। परंतु ऊपरी ढालों पर इनका गठन मोटे कणों का होता है।


वन मृदा
हिमालय
मोटे कण वाली मृदा
पर्वती क्षेत्र
बारीक कण वाली मृदा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

